

छत्तीसगढ़ संस्कृत विभाग का आईसीसीआर के साथ एमओयू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के संस्कृत विभाग ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साथ एमओयू किया है। एमओयू के बाद अब देश और दुनिया में होने वाले कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ी कलाकारों को भी प्रस्तुतिका मौका दिया जाएगा, जो देश और दुनिया के साथ राज्य का सांस्कृतिक आदान-प्रदान करने में महत्वपूर्ण होगा।

प्रमुख बिंदु

- इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशंस संस्था भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का उपक्रम है। ये संस्था विश्व स्तर पर भारत की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये काम करती है। इसके तहत विश्व के अन्य देशों में कला, संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम कराए जाते हैं।
- छत्तीसगढ़ संस्कृत विभाग के संचालक वविक आचार्य ने बताया कि विदेश से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतिका लिये कोई भी जानकारी अब राज्य को भी सूचित की जाएगी।
- संस्कृति विभाग द्वारा राज्य के कलाकारों को प्रस्तुतिका लिये भेजा जाएगा। इससे छत्तीसगढ़ के कलाकारों को विदेश में प्रस्तुतिका देने का महत्वपूर्ण मौका मिलेगा, साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक वरिसत को दुनिया देख सकेगी। इसके माध्यम से राज्य के कलाकारों को विदेशी कल्चर जानने का भी अवसर मिलेगा।
- उल्लेखनीय है कि संस्कृत विभाग के चनिहारी पोर्टल में अब तक राज्य के 2 हजार 25 कलाकार और 443 कला दल रजिस्टर्ड हैं।